CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 5 MARCH 2025

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

DAILY NEWS

राज्य संग्रहालय में चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- My City 07

कलम थामने वाली उंगलियों ने पकड़ा सुई धागा, कपड़े पर की रोजगार की कढ़ाई

राज्य संग्रहालय की ओर से चिकनकारी कार्यशाला में शामिल प्रतिभागी और प्रशिक्षक। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। कलम पकड़ने वाली उंगलियों ने सफेद कपड़े पर रोजगार की कढ़ाई शुरू की है। राज्य संग्रहालय में मंगलवार से शुरू हुई कार्यशाला में स्नातक के विद्यार्थियों व युवा उद्यमियों ने सुई धागा, कैंची, कटर और फ्रेम के सहारे चिकनकारी की बारीकियां सीखीं।

नौ दिवसीय इस कार्यशाला में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित रानी सिद्दीकी और अर्शी फातिमा पुणे, लखनऊ व कोलकाता के करीब 35 विद्यार्थियों व युवा उद्यमियों को प्रशिक्षण दे रही हैं। रानी सिद्दीकी ने बताया कि चिकनकारी करते समय बारीकियों पर ध्यान देना होता है। यह ऐसी डिजाइन है, जो हाथ से ही की जाती है। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को बखिया, शैडो, मूर्ति, तितली, बालि, चम्मच सहित 32 से अधिक डिजाइनिंग के बारे में सिखाया जाएगा।

इस दौरान अवध चिकनकारी की निदेशक डॉ. मीना श्रीवास्तव, मुख्य वक्ता डॉ. अनामिका पाठक, संस्थान की निदेशक सृष्टि, सहायक निदेशक मीनाक्षी भी शामिल हुईं।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 01

उड़ान भरने को बेकरार चिकन जरी-जरदोजी : अतुल जैन

जासं • लखनऊ: 'एक जिला एक उत्पाद योजना में शामिल चिकन जरी-जरदोजी तकनीक के साथ उड़ान भरने को बेकरार है। युवाओं की भागीदारी से इस कला के अच्छे दिन आ रहे हैं। फैशन डिजाइनर के संस्थान इस कला को संवारने में लगे हैं। इस प्रकार की कार्यशालाएं आज के समय में अत्यधिक महत्वपूर्ण एवं रोजगार परक होंगी।' यह बात राज्य संग्रहालय में मंगलवार से शुरू हुई कार्यशाला में मुख्य अतिथि चित्रकूट के दीन दयाल शोध संस्थान के महासचिव अतुल जैन ने कही।

राज्य संग्रहालय और अवध चिकनकारी के संयोजन में 12 मार्च तक चलने वाली कार्यशाला और व्याख्यान में अवध चिकनकारी की निदेशक डा.मीना श्रीवास्तव ने कहा कि चिकनकारी वस्त्र कला को विकसित करने के लिए सरकार एक जिला एक उत्पाद ट्रेडिंग टेक्निक, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और अल्प एवं मध्यम उद्योग के बारे में भी जानकारी दे रही है। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय संग्रहालय की पूर्व क्यूरेटर डा.अनामिका पाठक ने 'कशीदाकारी कला कौशल की कलात्मक अभिव्यक्ति और उपयोगिता' विषय पर कहा कि पुराने कशीदाकारों द्वारा बनायी गयी कुछ ऐसी नायाब कशीदाकारी वस्तुएं देखने को मिलती हैं, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करतीं हैं कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं थी। कश्मीर के राजा गुलाब सिंह के निर्देश पर चार शाल बनाए गए थे, जिनमें से भारत में एक उपलब्ध है। शाल पर कशीदाकारों ने पूरे जम्मू क्षेत्र की कशीदाकारी की है। प्रभारी व संग्रहालय की सहायक निदेशक डा.मीनाक्षी खेमका ने बताया कि सात दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को चिकन की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर राज्य संग्रहालय की निदेशक डा. सृष्टि धवन, डा. अनिता चौरसिया, शारदा प्रसाद त्रिपाठी, प्रमोद कुमार, डा.विनय कुमार सिंह व डा. कृष्ण ओम सिंह समेत विद्यार्थी व शोधार्थी शामिल हुए।

राज्य संग्रहालय और अवध चिकनकारी, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से चिकनकारी पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ करतीं मीना श्रीवास्तव व अन्य अतिथिगण • जागरण

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 08

राज्य संग्रहालय लखनऊ एवं अवध चिकनकारी की ओर से संग्रहालय परिसर में कला अभिरुचि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चिकनकारी पर कार्यशाला का आयोजन हुआ।

चिकन की बारीकियों पर कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। राज्य संग्रहालय लखनऊ एवं अवध चिकनकारी की ओर से संग्रहालय परिसर में कला अभिरूचि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चिकनकारी पर आधारित कार्यशाला एवं व्याख्यान का आयोजन हुआ। नौ दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के जनरल सेक्रेटरी अतुल जैन ने किया। उन्होंने कहा कि हमें इस प्रकार की कार्यशाला अन्य इलाकों में भी कराते रहना चाहिये।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 02

राज्य संग्रहालय में 9 दिवसीय चिकनकारी कार्यशाला शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य संग्रहालय और अवध चिकनकारी लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कला अभिरुचि पाठ्यक्रम के तहत चिकनकारी पर आधारित कार्यशाला एवं व्याख्यान की शुरुआत हुई। 12 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला की शुरुआत दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के महासचिव अतुल जैन ने दीप जलाकर की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम शामिल हुए अतुल जैन ने कहा कि कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं अन्य इलाकों में भी होनी चाहिए, क्योंकि ये रोजगार परक साबित होंगी। कार्यक्रम प्रभारी और राज्य संग्रहालय की सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी खेमका ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	स्वदेश पत्रिका (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 03

राज्य संग्रहालय में चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला शुरू

प्रशिक्षणार्थियों को वितरित की चिकनकारी की किट

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

राज्य संग्रहालय में मंगलवार को चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला एवं व्याख्यान के प्रथम दिन वक्ताओं ने चिकनकारी पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में लखनवी चिकनकारी के गौरवशाली इतिहास, वैश्विक बाजार में चिकनकारी की बढ़ती मांग और इस क्षेत्र में नई तकनीक के समावेश की जानकारी साझा की गई। राज्य संग्रहालय, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं अवध चिकनकारी प्रॉड्यूसर कम्पनी के तत्वावधान में यह कार्यशाला 12 मार्च तक चलेगी।

राज्य संग्रहालय की निदेशक सृष्टि धवन ने कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को चिकनकारी की किट का वितरण किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आप सभी को इस कार्यशाला से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। 12 मार्च तक आप बहुत कुछ सीख कर जाएंगे। दीनदयाल शोध संस्थान के महासचिव अतुल जैन ने बताया कि चिकनकारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई तरह की योजनाएं संचालित कर रही है, यह प्रशिक्षण उसी कड़ी का हिस्सा है। हम अपनी इस कला को वैश्विक बाजार में कैसे लाते हैं, इस पर ध्यान देना होगा। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली की पूर्व क्यूरेटर डॉ. अनामिका पाठक ने कशीदाकारी कला कौशल की कलात्मक अभिव्यक्ति और उपयोगिता विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने चिकनकारी के गौरवशाली इतिहास को अपनी प्रस्तुति के माध्यम से साझा भी किया।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Hindustan Times (Lucknow Edition)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 06

CHIKANKARI WORKSHOP EXPLORES TEXTILE HISTORY

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Did you know that traces of needles date back to the Neolithic period? Unlike modern steel or metal needles, these were made of bone. This fascinating fact was shared by former curator of the National Museum, New Delhi, Anamika Pathak, during the inaugural session of a nine-day workshop and lecture on Chikankari on Tuesday.

The workshop, organised at the Natural History Museum behind the State Museum as part of an art appreciation programme, delved into the evolution of textiles and embroidery. Pathak revealed that metal and even gold needles had been discovered from the Indus Valley Civilisation. "A stone sculpture of a braided man, found in Mohenjodaro and housed in the Karachi Museum, has motifs resembling embroidery, indicating that needle and thread art existed in those times," she explained. The event was attended by Atul Jain, general secretary of Deendayal Shodh Sansthan, Meena Srivastava, director of Avadh Chikankari Pro Co Ltd, Khadi Village Industries Board, and Srishti Dhaon, director of the State Museum.

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Dainik Bhaskar	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/lucknow/news/chikankari-art-gets-a-new-platform-in-lucknow-134587036.html

लखनऊ में चिकनकारी कला को मिला नया मंच: राज्य संग्रहालय में सात दिवसीय कार्यशाला शुरू, कला को रोजगार से जोड़ने पर जोर

लखनऊ 2 घंटे पहले

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Gaon Giraw	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://gaongiraw.in/chikankari-anmol-heritage-of-lucknow-jayveer-singh/

लखनऊ की चिकनकारी अनमोल धरोहर – जयवीर सिंह

Gaon Giraw March 4, 2025

राज्य संग्रहालय में चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

प्रशिक्षणार्थियों को वितरित की गई चिकनकारी की किट

लखनऊ: राज्य संग्रहालय, लखनऊ में आज चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला एवं व्याख्यान के प्रथम दिन वक्ताओं ने चिकनकारी पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में लखनवी चिकनकारी के गौरवशाली इतिहास, वैश्विक बाजार में चिकनकारी की बढ़ती मांग और इस क्षेत्र में नई तकनीक के समावेश की जानकारी साझा की गई। राज्य संग्रहालय (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश), खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं अवध चिकनकारी प्रॉड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला 12 मार्च तक चलेगी।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Vocal Tv	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://vocaltv.in/uttar-pradesh/lucknows-chikankari-jai-veer-singhphp/cid16318896.htm

लखनऊ की चिकनकारी अनमोल धरोहर: जयवीर सिंह

By VocalTV Desk | Mar 4, 2025, 20:45 IST

राज्य संग्रहालय में चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

लखनऊ, 04 मार्च (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने राज्य संग्रहालय, लखनऊ में चिकनकारी की कार्यशाला के शुभारंभ पर कहा कि लखनऊ की चिकनकारी एक अनमोल धरोहर है, जिसे हमें न केवल संरक्षित रखना है, बल्कि उसे वैश्विक मंच पर भी पहचान दिलानी है। इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल कारीगरों को उनके हुनर में सुधार लाने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक धरोहर को भी समृद्ध करती हैं।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Hindustan Samachar	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/3/4/Lucknows-Chikankari-Jai-Veer-Singh.php

लखनऊ की चिकनकारी अनमोल धरोहर: जयवीर सिंह

04 Mar 2025 20:45:31

राज्य संग्रहालय में चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

लखनऊ, 04 मार्च (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने राज्य संग्रहालय, लखनऊ में चिकनकारी की कार्यशाला के शुभारंभ पर कहा कि लखनऊ की चिकनकारी एक अनमोल धरोहर है, जिसे हमें न केवल संरक्षित रखना है, बल्कि उसे वैश्विक मंच पर भी पहचान दिलानी है। इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल कारीगरों को उनके हुनर में सुधार लाने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक धरोहर को भी समृद्ध करती हैं।

राज्य संग्रहालय, लखनऊ में मंगलवार को चिकनकारी पर नौ दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन लखनवी चिकनकारी के गौरवशाली इतिहास, वैश्विक बाजार में चिकनकारी की बढ़ती मांग और इस क्षेत्र में नई तकनीक के समावेश की जानकारी साझा की गई। राज्य संग्रहालय खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं अवध चिकनकारी प्रॉड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला 12 मार्च तक चलेगी।

मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के महासचिव अतुल जैन ने बताया कि चिकनकारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई तरह की योजनाएं संचालित कर रही है, यह प्रशिक्षण उसी कड़ी का हिस्सा है। हम अपनी इस कला को वैश्विक बाजार में कैसे लाते हैं, इस पर ध्यान देना होगा।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Live VNS	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://livevns.news/uttar-pradesh/lucknows-chikankari-jai-veer-singhphp/cid16318909.htm#google_vignette

लखनऊ की चिकनकारी अनमोल धरोहर: जयवीर सिंह

By Livevns.news Desk Mar 4, 2025, 20:45 IST

WhatsApp Channel Join Now

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 07

कथक नृत्य की शिक्षा में संस्थाओं की अहम भूमिका

- भातखंडे विश्वविद्यालय की ओर से वेबिनार
- कथक के गुरुओं ने रखी अपनी-अपनी बात

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार शुरू हुआ। कथक नृत्य के शिक्षण और प्रस्तुतीकरण का विकास वैश्वीकरण के संदर्भ में विषयक वेबिनार में कथक के स्थापित गुरुओं ने अपनी बात रखी।

मुख्य वक्ता भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो मांडवी सिंह ने शिक्षण और प्रस्तुतिकरण दो मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित होते हुए बिरजू महाराज द्वारा कथक के वैश्वीकरण में योगदान से परिचित कराया। कथक नृत्य की शिक्षा में शैक्षणिक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान पर तथ्यों को उजागर किया। विदुषी पूर्णिमा पाण्डेय ने भारत देश की पहचान संगीत से बताई। बताया कि बैले से कथक नृत्य को नई पहचान मिली। पंडित बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर ने कहा कि वैश्वीकरण से सांस्कृतिक संबंध मजबूत हुए।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	नवभारत टाइम्स (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 06

कथक के महत्व और चुनौतियों पर चर्चा

■ NBT न्यूज ,लखनऊः कैसरबाग स्थित भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की पहल पर मंगलवार को 'कथक नृत्य के शिक्षण और प्रस्तुति का विकास' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेविनार का आयोजन किया गया। वेविनार में विशेषज्ञों ने वैश्वीकरण के कारण कथक की पारंपरिकता वनाए रखने की चुनौती को प्रमुख मुद्दा वताया, साथ ही ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव, तकनीकी नवाचारों और कथक की वढ़ती वैश्विक लोकप्रियता पर भी चर्चा की। मुख्य वक्ता प्रो. मांडवी सिंह ने कथक नृत्य के वैश्वीकरण में पंडित विरजू महाराज के योगदान को रेखांकित किया। वहीं पर्यटन एवं संस्कृति मंजयवीर सिंह ने यह कहा कि विवेविनार में कथक नृत्य के वैश्वीकरण और इसके पारंपरिक रूप को वनाए रखने की दिशा में जो विचार-विमर्श हुआ, यह हमारे सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में पूर्णिमा पाण्डेय, कुमकुम धर, डॉ. ज्ञानेंद्र दत्त वाजपेई, डॉ. रुचि खरे समेत कई लोग मौजूद थे।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 02

कथक में शिक्षण और प्रस्तुतीकरण दोनों अहम

लखनऊ। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हुआ। 'कथक नृत्य के शिक्षण और प्रस्तुतीकरण का विकास वैश्वीकरण के संदर्भ में' विषय पर आयोजित वेबिनार में वक्ताओं ने कहा कि कथक में शिक्षण और प्रस्तुतीकरण दोनों की ही भूमिका अहम होती है।

भातखंडे विवि की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने पंडित बिरजू महाराज के कथक नृत्य के वैश्वीकरण में योगदान को रेखांकित किया। कथक की शिक्षा में शैक्षणिक संस्थाओं के महत्वपूर्ण योगदान की भी चर्चा की। पूर्णिमा पांडेय ने विष्णु दिगंबर पलुस्कर और विष्णु नारायण भातखंडे के साथ ही पंडित बिरजू महाराज के योगदान पर चर्चा की। दिल्ली से पं. राजेंद्र गंगानी ने कहा कि गोपी किशन, पंडित दुर्गलाल, कुमुदिनी लखिया, सितारा देवी, रोशन कुमारी ने कथक को पूरे विश्व में पहुंचाया।

वैश्वीकरण से कथक के पारंपरिक स्वरूप को बचाना चुनौती : पं. बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर ने कहा कि वैश्वीकरण से आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत हुए, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। वैश्वीकरण ने कथक की प्रस्तुतियों को समृद्ध किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के कारण कथक के पारंपरिक स्वरूप को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है। शिखा खरे ने कहा कि वैश्वीकरण को जीवित रखना अपनी समृद्ध परंपरा को जीवित रखना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Hindustan Times (Lucknow Edition)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 06

BSV HOSTS WEBINAR ON PROMOTING KATHAK

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : A two-day webinar on 'Development of teaching and presentation of Kathak in the context of globalisation' began at Bhatkhande Sanskrit University on Tuesday.

Vice-chancellor, BSV, prof Mandavi Singh spoke about the contribution of Pandit Birju Maharaj in the globalisation of Kathak and the importance of educational institutions in promoting the dance. Kathak exponent and former BSV V-C Purnima Pandey discussed the development of Kathak and contributions of Vishnu Digambar Paluskar and Vishnu Narayan Bhatkhande. Pandit Rajendra Gangani who joined from Delhi shared the contributions of Gopi Kishan, Pandit Durga Lal, Kumudini Lakhia, Sitara Devi and Roshan Kumari in the globalisation of Kathak.

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Live Hindustan	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/lucknow/story-international-webinar-on-kathak-dance-and-globalization-at-bhatkhande-university-201741102784306.html

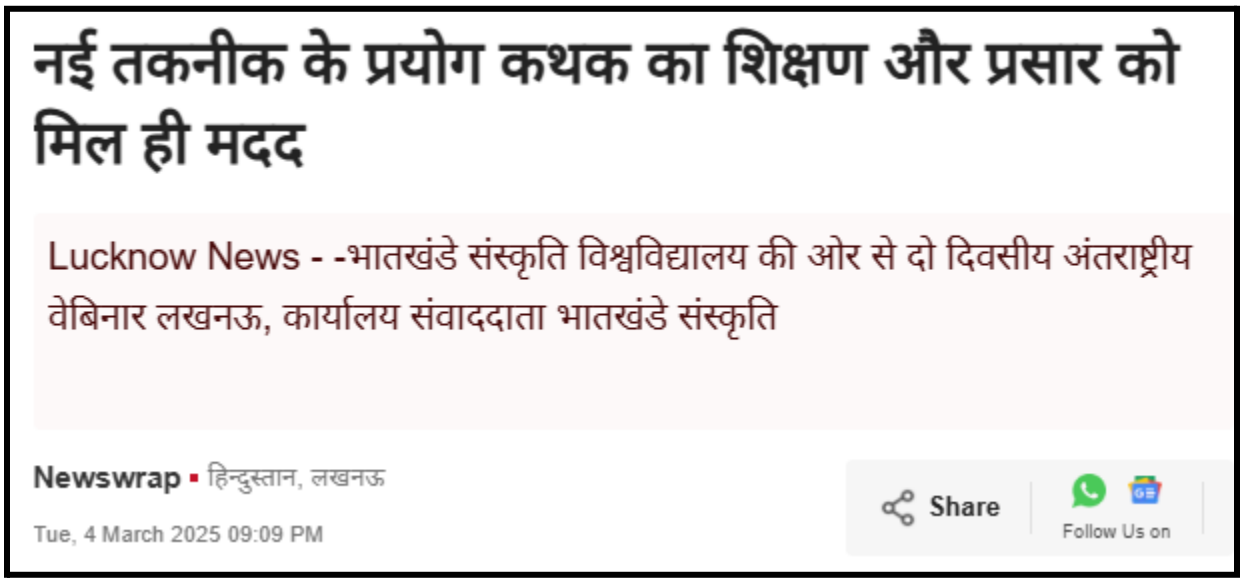

नई तकनीक के प्रयोग कथक का शिक्षण और प्रसार को मिल ही मदद

Lucknow News - -भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार लखनऊ, कार्यालय संवाददाता भातखंडे संस्कृति

Newswrap ▪ हिन्दुस्तान, लखनऊ

Tue, 4 March 2025 09:09 PM

Share

Follow Us on

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	Amar Ujala	Publishing Date :	5 MAR 2025	Online

https://www.amarujala.com/lucknow/both-teaching-and-presentation-are-important-in-kathak-lucknow-news-c-13-knp1002-1102602-2025-03-05

Lucknow News: कथक में शिक्षण और प्रस्तुतीकरण दोनों अहम

लखनऊ ब्यूरो
Updated Wed, 05 Mar 2025 01:52 AM IST

लखनऊ। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हुआ। 'कथक नृत्य के शिक्षण और प्रस्तुतीकरण का विकास वैश्वीकरण के संदर्भ में' विषय पर आयोजित वेबिनार में वक्ताओं ने कहा कि कथक में शिक्षण और प्रस्तुतीकरण दोनों की ही भूमिका अहम होती है।

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

ADDITIONAL COVERAGE OF 4 MARCH 2025

CULTURE DEPARTMENT PMU TEAM

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 MAR 2025	Page- 01

बीएनए के कलाकार चंडीगढ़ में करेंगे मंचन

जासं • लखनऊ : भारतेंदु नाट्य अकादमी (बीएनए) रंगमंडल के कलाकार चंडीगढ़ में आयोजित रंग प्रयोग नाट्य समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करने जा रहे हैं। वे चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी के टैगोर थियेटर में आठ मार्च को 'कर्ण गाथा' और नौ मार्च को 'निर्माण से निर्वाण तक' का मंचन करेंगे।

बीएनए रंगमंडल की प्रमुख निर्मला जे. चंद्रा ने बताया कि रंगमंडल का दल छह मार्च को चंडीगढ़ रवाना होगा। इस दल में कुल 28 सदस्य हैं, जिनमें 20 कलाकार हैं। उन्होंने बताया कि 'कर्ण गाथा' गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर के कर्ण-कुंती संवाद से प्रेरित है। इस नाटक में शिवाजी सावत के मृत्युंजय और रामधारी सिंह दिनकर की रश्मिरथी के संदर्भों को भी जोड़ा गया है। समसामयिकता को ध्यान में रखते हुए, अज्ञेय की कविताओं का समावेश भी किया गया है।